प्रेस विज्ञप्ति

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज (आईसीएन) द्वारा अनुमोदित और जपाइगो के सहयोग से भारतीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी) द्वारा होटल ईरोज, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में दिनांक 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2018 तक नर्सेज एंड मिडवाइव्स फॉर यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर एक अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज (आईसीएन) द्वारा अनुमोदित और जपाइगो के सहयोग से भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा आयोजित 'नर्सेज एंड मिडवाइव्स फॉर यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन माननीय केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा नागर विमानन मंत्री श्री सुरेश प्रभु द्वारा किया किया था। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में नर्सों की महत्त्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान के महत्त्व को दर्शाने के लिए कॉन्फ्रेंस का मूल विषय बहुत ही सटीक है।

भारत द्वारा **"आयुष्मान भारत योजना"** के माध्यम से यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज हासिल करने के लिए एक महत्त्वाकांक्षी योजना प्रारम्भ की गई है। भारत सरकार द्वारा यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज हासिल करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया गया है और स्वास्थ्य केंद्रों पर प्राथमिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मध्य स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता तैयार करने की योजना बनाई गई है।

लक्ष्य

कॉन्फ्रेंस का लक्ष्य यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज प्राप्त करने और इसे आगे बढ़ाने हेतु नर्स अधिनायक तैयार करने के लिए रणनीतियों, दृष्टिकोणों और सर्वोत्तम प्रथाओं का पता लगाने के लिए दुनियां भर से नर्सों और दाइयों को एक मंच पर लाना है।

यह कॉन्फ्रेंस, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज में सर्वोत्तम प्रथाओं, नवाचारों और शोध परिणामों की प्रस्तुतियों और इसे हासिल करने में नर्सों की भूमिका के लिए एक मंच प्रदान करती है। यह कॉन्फ्रेंस स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए नर्स कर्मियों को मजबूत बनाने में अंतर–व्यावसायिक सहयोग, अंतर–क्षेत्रीय साझेदारी और प्रौद्योगिकी के उपयोग के दायरे का पता लगाने का अवसर भी प्रदान करती है। उपरोक्त कॉन्फ्रेंस में बहुत से भारतीय और विदेशी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज की अध्यक्षा, तीन उपाध्यक्ष और 10 अन्य बोर्ड सदस्य भी कॉन्फ्रेंस में भाग ले रहे हैं। कॉन्फ्रेंस के दौरान चार प्लेनरी सत्र आयोजित किए जाएंगे और आशा है कि इस दौरान 60 मौखिक पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे तथा साथ ही 40 पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे।

उद्‌घाटन समारोह (29 नवम्बर, 2018)

अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् के अध्यक्ष डॉ. टी. दिलीप कुमार ने कॉन्फ्रेंस के विषय यानी ''नर्सेज एंड मिडवाइव्स फॉर यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज'' और लोगों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में नर्सों द्वारा महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने पर प्रकाश डाला।

श्री सुरेश प्रभु, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा नागर विमानन मंत्री – मुख्य अतिथि

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा भारत में **''नर्सिंग नाउ अभियान''** का प्रारम्भ किया गया और सभी प्रतिनिधियों द्वारा नर्सिंग नाउ अभियान की प्रतिज्ञा ली गई। नर्सिंग नाउ अभियान की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि द्वारा यह भी टिप्पणी की गई कि यह ''नर्सिंग नाउ अभियान'' की बजाय ''नर्सिंग फॉरएवर अभियान'' होना चाहिए।

मुख्य अतिथि द्वारा जन्म से मृत्यु तक नर्सों द्वारा निभाई जाने वाली महत्त्वपूर्ण भूमिका और मानव सेवा में नर्सों द्वारा निभाई जा रही महान भूमिका का भी उल्लेख किया गया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तव में स्वास्थ्य देखभाल मानव देखभाल है और नर्सों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है। कॉन्फ्रेंस यानी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के विषय का जिक्र करते हुए, उन्होंने हमारे देश के नागरिकों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना और इस संदर्भ में गुणवत्तापरक नर्सिंग शिक्षा के महत्त्व पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने भारत में गुणवत्तापरक नर्सिंग शिक्षा का संचालन करने में भारतीय उपचर्या परिषद् और उसके अध्यक्ष डॉ. टी. दिलीप कुमार द्वारा निभाई जा रही भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि क्योंकि नर्सिंग वास्तव में एक वैश्विक पेशा है इसलिए वाणिज्य मंत्रालय बड़ी संख्या में भारतीय नर्सों को विदेशों में काम करने में मदद करने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य देखभाल के लिए नर्सिंग पेशे को आगे ले जाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नर्सिंग नाउ अभियान के लिए संसद में एक हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया जाएगा।

डॉ. एनेट केनेडी, अध्यक्षा, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज (आईसीएन)

उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज के बोर्ड की बैठक भारत में पहली बार आयोजित की जा रही है और उन्होंने इसके आयोजन और इस कॉन्फ्रेंस को आयोजित करने के लिए भारतीय उपचर्या परिषद् के अध्यक्ष की भूमिका के लिए धन्यवाद दिया। दुनियां भर

में स्वास्थ्य क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र (यूएन), अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन (आईएलओ) और जपाइगो जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को एक साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल किया। उन्होंने नर्सिंग नाउ अभियान का संदर्भ देते हुए कहा कि यह अभियान फ्लोरेंस नाइटिंगेल की 200वीं जयंती वर्ष के दौरान साथ–साथ चलाया जाएगा।

डॉ. लेस्ली मनकुसो, अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जपाइगो

उन्होंने बताया कि वह पहले एक नर्स हैं और बाद में जपाइगो की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी। उन्होंने बताया कि जपाइगो भारत में स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में भारतीय उपचर्या परिषद् और भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है और साथ ही यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज हासिल करने में नर्सिंग शिक्षा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने भारत में गुणवत्तापरक नर्सिंग शिक्षा प्रदान करने में भारतीय उपचर्या परिषद् और उसके अध्यक्ष द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज हासिल करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. अमित अरुण शाह, परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञ – प्रजनन स्वास्थ्य, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डवलपमेंट (यूएसएड)

उन्होंने बताया कि यूएसएड पिछले पांच दशकों से भारत सरकार और स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़ी अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कॉन्फ्रेंस के विषय यानी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की प्रासंगिकता और इसे हासिल करने के लिए नर्सिंग कर्मियों को मजबूत करने के महत्त्व पर जोर डाला। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नर्सिंग कर्मी जिस सम्मान के हकदार हैं उसे हासिल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है।

श्री गणेश सिंह और श्री किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी, माननीय सांसद (लोकसभा)

इस कॉन्फ्रेंस के आयोजन के लिए भारतीय उपचर्या परिषद् के अध्यक्ष की सराहना की गई और कॉन्फ्रेंस के विषय यानी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। उल्लेख किया गया कि अभी तक दुनियां में कहीं भी 50 करोड़ लोगों को सुरक्षा आच्छादित करने वाली आयुष्मान भारत योजना के परिमाण जैसी किसी भी योजना का प्रयास नहीं किया गया है। प्रशिक्षित नर्सों की उपलब्धता और नर्सिंग शिक्षा की आवश्यकता के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। भारतीय उपचर्या परिषद् के अध्यक्ष और इसके कर्मचारियों को दो माह के अंदर दो अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (ब्रिक्स और आईसीएन) आयोजित करने के लिए बधाई दी गई। एनआरटीएस परियोजना के माध्यम से नर्सों के लाइव रजिस्टर बनाने के लिए भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की गई।

यह भी उल्लेख किया गया कि भारत के प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना, जिसे मोदी केयर के नाम से जाना जाता है, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा शुरू की गई ओबामा केयर के समान है।

माननीय सांसदों ने यह भी संकेत दिया कि संसद में नर्सिंग नाउ अभियान के लिए एक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज (आईसीएन)

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज 130 से अधिक राष्ट्रीय नर्सेज एसोसिएशंस (एनएनए) का एक संघ है, जो दुनियां भर में 2 करोड़ से अधिक नर्सों का प्रतिनिधित्व करती है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज, जिसकी स्थापना सन् 1899 ई. में हुई थी, विश्व में स्वास्थ्य कर्मियों को व्यापक पहुंच प्रदान करने वाला पहला अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। अंतर्राष्ट्रीय नर्सों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संचालित इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज, सभी को गुणवत्तापरक नर्सिंग देखभाल प्रदान करना सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ देखभाल नीतियों, नर्सिंग ज्ञान की प्रगति, सम्मानित, सक्षम तथा संतुष्ट नर्सिंग कर्मियों की विश्वव्यापी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए काम करती है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज हर वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा जेनीवा में आयोजित की जाने वाली वर्ल्ड हेल्थ असेंबली का एक स्थायी सदस्य है। सभी सदस्य देशों के स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य महानिदेशक इस विश्व स्वास्थ्य असेंबली में भाग लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य असेंबली में स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चा की जाती है। विश्व स्वास्थ्य असेंबली के दौरान विश्व स्वास्थ्य असेंबली द्वारा संकल्प पारित करते समय इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज को हस्तक्षेप करने का अवसर मिलता है। हाल ही में सन् 2016 ई. में विश्व स्वास्थ्य असेंबली द्वारा ''ह्यूमन रिसोर्स फॉर हेल्थ 2030'' पर पारित संकल्प के संबंध में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा प्रभावी हस्तक्षेप किया गया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेडरोस अधानोम गेब्रेयिसस के एक वक्तव्य के अनुसार **''दुनियां को सन् 2030 ई. तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज देने और बनाए रखने के लिए आवश्यक 1.8 करोड स्वास्थ्य श्रमिकों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। उस कमी का आधा से अधिक नर्स और मिडवाइव्स हैं।''**

सन् 2016 ई. में सदस्य राज्यों द्वारा अपनाई गई **ह्यूमन रिसोर्स फॉर हेल्थ वर्कफोर्स 2030** पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक रणनीति स्वास्थ्य कर्मियों के अधिकतम और प्रभावी उपयोग के लिए रणनीति बनाने और विकासशील देशों में विशिष्ट निवेश योजनाओं के लिए एक ढांचा प्रस्तावित करती है।

भारत में नर्सिंग स्टाफिंग मानदंडों की समीक्षा करने और मानदंडों के अनुसार नर्सों की भर्ती के लिए काम करने की तत्काल आवश्यकता है ताकि वे यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज को हासिल करने के अनंतिम उद्देश्य के साथ गुणवत्तापरक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान कर सकें।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वैश्विक पहुंच है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा हर वर्ष एक विशिष्ट विषय के साथ अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है और सदस्य देशों को नर्सों और मिडवाइव्स के विकास की दिशा में काम करने की सलाह दी जाती है।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज के बोर्ड का प्रतिनिधित्व 14 सदस्यों द्वारा किया जाता है अर्थात एनेट केनेडी, अध्यक्षा (आयरलैंड); पामेला सिप्रियनो, प्रथम उपाध्यक्षा (यूएसए); थेम्बेका ग्वाग्वा, द्वितीय उपाध्यक्षा (दक्षिण अफ्रीका); सुंग रे शिन, तृतीय उपाध्यक्षा (दक्षिण कोरिया); फातिमा अल रिफाई (एमीरेट्स); आओनिस लिऑनटिओ (साइप्रस); करेन बजोरो (नॉर्वे); ब्रिगिटा स्केला–साविच (स्लोवेनिया); रोजविथा कोच (स्विट्जरलैंड); मारिया युलालिया जुवे (स्पेन); लिसा लिटिल (कनाडा); एरिका कैबेलरो (चिली); लिआन–हुआ हुआंग (ताइवान); वू यिंग (चीन) जिनका चुनाव अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज के बोर्ड के सदस्य पहली बार भारत आ रहे हैं और 2 से 4 दिसम्बर 2018 तक भारत में अपनी बोर्ड की बैठक आयोजित कर रहे हैं। चूंकि भारत इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज बोर्ड का सदस्य नहीं है, इसलिए यह भारतीय नर्सों और मिडवाइव्स को इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज बोर्ड के सदस्यों से मिलने और उनके साथ बातचीत करने का एक शानदार अवसर है। कॉन्फ्रेंस के दौरान इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज बोर्ड के सदस्य विभिन्न प्लेनरी सत्रों में पैनलिस्ट की भूमिका निभायेंगे।

कॉन्फ्रेंस के विषय यानी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की भारतीय संदर्भ में प्रासंगिकता

यहां यह ध्यान देने योग्य है कि भारत अपने सभी नागरिकों के लिए यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज हासिल करने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य पर कार्य प्रारम्भ कर रहा है और इसे हासिल करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री द्वारा आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई है। इस पहल को संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें **''किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है''** की प्रतिबद्धता अंतर्निहित है।

यह कॉन्फ्रेंस नर्सिंग पर केंद्रित है और यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और साथ ही यह कॉन्फ्रेंस विभिन्न देशों के नर्स कर्मियों को अपने–अपने देशों की नीति साझा करने और यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज हासिल करने की योजना साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा और यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की चुनौती को पूरा करने में अन्य देशों द्वारा किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, पर रोशनी डालने में मदद करेगी।